PAPER-III
DOGRI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J 3 3 1 4

Time : **2 ½** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

डोगरी

प्रश्नपत्र – III

नोट : इस पेपर च **पंच्हत्तर (75)** मते विकल्पी सुआल न । हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न । **सभनें** सुआलें दे परते देओ ।

1. 'सिंधी ओ लाहौरी ओ कश्मीरी ओ डूगर' हवाला –

(अ) डोगरी गी बाकी आधुनिक – भाशाएं कशा बाद दा सिद्ध करदा ऐ ।

(ब) जॉन बीम्ज़ दी कविता च मिलदा ऐ ।

(स) इक फ़ारसी रचना च मिलदा ऐ ।

(द) 1317 ई. दा ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (स) ते (द) ठीक न ।

(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

2. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) भड़कना	(i) पैह्ली प्रेरणार्थक क्रिया
(ब) भड़कोना	(ii) अकर्मक दा कर्मवाची रूप
(स) भड़कोआना	(iii) अकर्मक दा कर्तृवाची रूप
(द) भड़काना	(iv) दूई प्रेरणार्थक क्रिया

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

3. बरोध, साधन, तुलना ते सादृश्य – इ 'नें अर्थें दे इस क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ते दे संबंध-सूचकें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) निस्बत (ii) आंह्गर

(iii) बदौलत (iv) खलाफ

कोड :

(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(i)

4. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A नासिक्य व्यंजन ते अनुनासिकता च बड़ा फर्क-भेद ऐ । जासिक्य व्यंजन खंडीय ध्वनि ऐ ते अनुनासिकता खंडेतर ।

R की जे डोगरी भाशा दे लेखन च नासिक्य व्यंजन ते अनुनासिकता दौनें आस्तै अनुस्वार चि 'न्न अपनाने करी दौनें दे मझाटे दे फर्क-भेद दा पता नेईं लगदा । इस करी केईं बारी एह् स्थिति भ्रमत करदी ऐ ।

(A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(B) R कथन गल्त ऐ ।

(C) R कथन A कथन दे स्हेई कारणें चा इक ऐ ।

(D) R अपने थाह्रे पर स्हेई ऐ पर A कथन दे कारण गी स्पश्ट नेईं करा करदा ।

5. संयुक्त वाक्य दे उपवाक्यें मझाटै

(A) आश्रत सरबंध होंदा ऐ ।

(B) आपसी सुतैंतरता होंदी ऐ ।

(C) भावनात्मक सरबंध होंदा ऐ ।

(D) बरोबरी दी भागीदारी होंदी ऐ ।

6. पुलिंग –

(अ) इक व्याकरणिक कोटि दा भेद ऐ ।

(ब) मादा पदार्थें दी नशानदेही करदा ऐ ।

(स) आस्तै नामपदें ते आख्यात पदें च रूपायन होंदा ऐ ।

(द) आस्तै सिर्फ नामपदें च गै रूपायन होंदा ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

7. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) संभाव्य अर्थ	(i) जंदा आं (जन्नां)
(ब) संदिग्ध अर्थ	(ii) जंदा होआं
(स) निश्चय अर्थ	(iii) जंदा होंदा
(द) संकेत अर्थ	(iv) जंदा होङ

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(i)

8. समें-क्रमानुसार हेठ दित्ती दियें रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(i) शिक्षा (ii) प्रातिशाख्य

(iii) निघंटु (iv) निरुक्त

कोड :

(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

9. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A डोगरी सर्वनामें च तिर्यक् रूपायन संज्ञा शब्दें दे रूपायन कशा भिन्न व्यवस्था च औंदा ऐ ।

R की जे संबंध कारकी रूपें च सर्वनामें दे रूप मतियें किस्में दे होंदे न । इसलेई इं 'दी रूपायन-व्यवस्था भिन्न होंदी ऐ ।

(A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(B) R कथन गल्त ऐ ।

(C) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

10. रानी ने गोल्लियें गी कुआलेआ –

(A) कर्तृवाच्य (B) कर्मवाच्य

(C) कर्तृकर्मवाच्य न (D) कर्तृभाववाच्य ।

11. सभनें भाशाएं च –

(अ) यादृच्छिकता दा गुण जरूरी ऐ ।

(ब) इक्कै जनेही होंदी ऐ ।

(स) समाजी अदान-प्रदान दी समर्था होंदी ऐ ।

(द) हर चाल्ली दियां ध्वनियां म्हत्तवपूर्ण होंदियां न ।

(A) (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

12. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) हेमचंद्र	(i) शब्दानुशासन
(ब) भर्तृहरि	(ii) वाक्यपदीय
(स) किशोरीदास वाजपेयी	(iii) हिंदी शब्दानुशासन
(द) धीरेंद्र वर्मा	(iv) हिंदी भाषा का इतिहास

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

13. मूल, यौगिक, संयुक्त ते पुनरूक्त – क्रिया-विशेशनें दे संरचना-रूपें दे इस क्रमानुसार हेठ दित्ते दे शब्दें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) उप्परें (ii) बिच्च-बिच्च

(iii) ख 'ल्ल (iv) जदूं-कदूं

कोड :

(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(i)

14. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A काल ते थाह्र सूचक क्रिया-विशेशन ते संबंध-सूचक अव्यय आपूं-चें सांझ रखदे होई बी बक्ख-बक्ख व्याकरणिक हैसियत रखदे न ।

R की जे जिसलै क्रिया-विशेशन वाक्य दे कुसै बी शब्द कन्नै जुड़ियै उसगी शब्द कन्नै सरबंधत करने च भूमिका नभांदा ऐ तां ओह् संबंध-सूचक अव्यय बनी जंदा ऐ ।

(A) R कथन A कथन दी स्हेई व्याख्या करा दा ऐ ।

(B) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(C) R कथन स्हेई नेईं ऐ ।

(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

15. Evolution Of Avadhi दे लेखक न –

(A) बंसी लाल गुप्ता

(B) बाबू गुलाबराय

(C) बाबू राम सक्सेना

(D) बलदेव राज गुप्ता

16. 'तलखियां' गज़ल-संग्रैह् –

(अ) जनता दे हकूकें दी तरजमानी करदा ऐ ।

(ब) सन् 1980 च प्रकाशत होआ ।

(स) दे लेखक शिवराम दीप न ।

(द) च उर्दू शब्दावली दा खास इस्तेमाल होए दा ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

(C) (स) ते (द) ठीक न ।

(D) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

17. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) डोला कुन्न ठप्पेआ	(i) मोहन लाल सपोलिया
(ब) सुर-भाव	(ii) बलवान सिंह जमोड़िया
(स) सोच अपनी-अपनी	(iii) प्रद्युम्न सिंह
(द) चानना सफर	(iv) केहरि सिंह मधुकर

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

18. गज़ल, चमुखा, कुंडली ते हाइकु – काव्य-रूपें दे इस क्रम मताबकइ 'नें रचनाए दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) चांदी मढ़ोइयां औंसियां सुन्ने मढ़ोए बोल

(ii) सतबन्ना

(iii) रत्तियां

(iv) उक्तियां

कोड :

(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(i)

19. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A अजादी बाद ही डोगरी कविता च व्यंग ते आक्रोश दा सुर प्रमुख रेहा ऐ ।

R म्हौल च समाजी ते इख्लाकी असंगतियें दा बोलबाला होने करी ऐसा होना कुदरती ऐ ।

(A) R कथन गल्त ऐ ।

(B) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(C) R कथन A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दे कारण गी स्पश्ट नेईं करा करदा ।

20. 'कोरे काकल कोरियां तलियां' पुस्तक दे लेखक न –

(A) यश रैण (B) यश शर्मा

(C) दर्शन दर्शी (D) सुनील शर्मा

21. डोगरी च अध्यात्मवाद दा सुर लभदा ऐ –

(अ) स्वामी ब्रह्मानंद दी कविता च ।

(ब) गोगा राम साथी दी कविता च ।

(स) ज्ञानेश्वर दी कविता च ।

(द) मधुकर दी कविता ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) (स) ते (द) ठीक न ।

22. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	त्रिचोली	(i) कविता
(ब)	पतझड़ दा अंत	(ii) दोहा
(स)	घर	(iii) कुंवर वियोगी
(द)	निर्मल सतसई	(iv) गीत

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(B)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

23. हेठ दित्ती दियें रचनाएं दे प्रकाशन-क्रमानुसार इं 'दा स्हेई क्रम ऐ :

(i) शबील अगनी दी

(ii) पूनी-पूनी बट्टी रात

(iii) गैं-गैं जिंदगी

(iv) गांदे बोल भांदे बोल

कोड :

(A)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

24. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A डोगरी क्हानी दा श्रीगणेश गै प्रगतिवादी रुझान कन्नै होआ ।

R की जे शुरुआती दौर दी डोगरी क्हानी च लोक-कत्थें दे चमत्कारी तत्त्व मजूद न

(A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(B) R कथन गल्त ऐ ।

(C) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

25. सियासी ते समाजी विशें उप्पर अधारत उपन्यास ऐ

(A) चेतना

(B) मात्तरेआं

(C) फुल्ल बिना डाह्ल्ली

(D) कमालपुर दी करामात

26. 'रेश्म दे कीड़े'

(अ) आधुनिक समाजी परिवेश दा कच्चा चिट्ठा प्रस्तुत करदा ऐ ।

(ब) सियासी मर्ह्क्खें दी कली तोआरदा ऐ ।

(स) इन्सानी समाज दी भुक्खा दा चित्रण करदा ऐ ।

(द) इख्लाकी कदरें दा चित्रण करदा ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

27. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी-2**
(अ) कंधां ते किले	(i) वेद राही
(ब) आले	(ii) नरेंद्र खजूरिया
(स) की फुल्ल बनी गे डारे	(iii) मदन मोहन शर्मा
(द) ज 'ल्ली	(iv) चमन अरोड़ा

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

28. हेठ दित्ती दियें रचनाएं दा प्रकाशन-क्रमानुसार स्हेई क्रम ऐ :

(i) गास ओपरा, धरत बगान्नी
(ii) जीवनदान
(iii) सरबंध
(iv) जिस्स एल्लै न्हेरा पेई गेआ

कोड :

(A)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(B)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(i)

29. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A 'यात्रा' क्हानी-संग्रैह् अपने कथ्य ते शैली दे स्हाबें डोगरी क्हानी दे खेतरै च अपने रचनाकार गी बड़ा टकोह्दा थाह्र दोआंदा ऐ ।

R इस संग्रैह् दियें क्हानियें दी शैली सरल, भाशा आम ते विशे बड़े सरस न ।

(A) R कथन A कथन दी स्हेई व्याख्या करा दा ऐ ।
(B) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।
(C) R कथन स्हेई नेईं ऐ ।
(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

30. 'बदसीस' ऐ –

(A) इक्कै लेखक दा क्हानी-संग्रैह् ।
(B) बक्ख-बक्ख लेखकें दियें क्हानियें दा संकलन ।
(C) महिला लेखक दा उपन्यास ।
(D) पुरश लेखक दी रचना ।

31. 'डोगरी निबंधावली' पुस्तक –

(अ) डुग्गर दे इतिहास दी झांकी प्रस्तुत करदी ऐ ।
(ब) डुग्गर देसै दी वास्तुकला ते मूर्तिकला दी झांकी प्रस्तुत करदी ऐ ।
(स) डुग्गर दे भूगोल दी जानकारी प्रस्तुत करदी ऐ ।
(द) डुग्गर दियें खेढें ते मनोरंजन दी जानकारी प्रस्तुत करदी ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ) ते (ब) ठीक न ।
(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

32. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी-2**
(अ) विचारात्मक	(i) गरसाल कोठी
(ब) मनोविश्लेशनात्मक	(ii) बैर ते बीरो
(स) रेखाचित्र	(iii) खिंझ
(द) भावात्मक	(iv) लारे

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

33. ज्ञान सिंह, ललित मगोत्रा, राम नाथ शास्त्री ते ओम विद्यार्थी – लोखकें दे इस क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ती दियें रचनाएं दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) जीवन दे त्रै उद्देश्य
(ii) भै जां डर
(iii) गुड्डियां, पेचे ते जिंदगी
(iv) फुल्ल जि 'नें भरमेरेआ

कोड :

(A)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

34. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A डोगरी गद्य च 'जीवनी' साहित्य नांऽ-मात्तर दा गै ऐ ।

R गद्य लेखकें दा आम रुझान संस्मरणें ते यात्रा-लेखें प्रति मता रेहा ऐ ।

(A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।
(B) R कथन गल्त ऐ ।
(C) R कथन A कथन दे स्हेई कारणें चा इक ऐ ।
(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दे कारण गी स्पश्ट नेईं करा करदा ।

35. 'गुंगी धरती दा जिंदगीनामा' पुस्तक दे लेखक न –
(A) राम लाल पपीहा (B) राम लाल शर्मा
(C) राम लाल प्यासा (D) राम प्यारा सराफ

36. 'मश्करी' –
(अ) सदाचार दा इक गुण ऐ ।
(ब) दिलै दी खुराक ऐ ।
(स) खिंझ पैदा करदी ऐ ।
(द) परमानंद दी प्राप्ति दा साधन ऐ ।
(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ) ते (स) ठीक न ।
(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

37. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी-2**
(अ) जुले	(i) कुंवर वियोगी
(ब) चेते	(ii) पद्मा सचदेव
(स) अक्खरें दा नशा	(iii) प्रकाश प्रेमी
(द) मुच्छ	(iv) नारायण मिश्र

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

38. रवारा पुराण, अ 'न्नी आस्था, मेरी क्हानी च किन्ना सच्च किन्ना झूठ ते जजूली – प्रकाशन-क्रम दे अनुसार हेठ दित्ती दियें रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :
(i) श्याम लाल शर्मा
(ii) नीलांबर देव शर्मा
(iii) नरसिंह देव जम्वाल
(iv) शक्ति शर्मा

कोड :

(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

39. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A डोगरी नाटक रंगमंच दी द्रिश्टी कन्नै किश हद्दा तगर लोकप्रिय जरूर है पर बड़ा मता नेईं ।

R नाटक दी लोकप्रियता निर्देशक दी तकनीक ते साधन-समर्था पर निर्भर करदी ऐ इसलेई हर कुसै नाटक गी पूरियां सुविधां मिलन एह् जरूरी नेईं ।

(A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।
(B) R कथन गल्त ऐ ।
(C) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।
(D) R अपने थाह्रे पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

40. 'रिसर्च स्कालर' एकांकी दी फ्हाड़न नारी पात्तर ऐ –
(A) मक्खू (B) तिलोतमा
(C) मालतू (D) मसू

41. 'न्हेरें दी तानी, संजोगें दे धागे' –
(अ) च अंधविश्वासें ते संजोगे दा नराला मेल ऐ ।
(ब) उर्दू रचना पर अधारत ऐ ।
(स) दे लेखक जितेंद्र शर्मा न ।
(द) अंग्रेज़ी रचना पर अधारत ऐ ।
(A) (ब) ते (स) ठीक न ।
(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ) ते (स) ठीक न ।
(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

42. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी-2**
(अ) पंजरंग	(i) मोहन सिंह
(ब) अज्जै दा सिकंदर	(ii) सन् 1975
(स) बजट दा भविक्ख	(iii) पंजरंग
(द) पंज कल्याणी	(iv) ओम गोस्वामी

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

43. प्रकाशन-क्रमानुसार हेठ दित्ते दे नाटकें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) चौसर

(ii) सवा सेर कनक

(iii) कि 'यां मुक्कग, कु 'न मकाग

(iv) नदी अग्ग दी ते यत्र प्रश्न

कोड :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (i) (iii) (ii) (iv)

(C) (iv) (iii) (ii) (iii)

(D) (iii) (iv) (i) (ii)

44. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A 'रामलीला' नाटक सत्तें अंकें पर अधारत ते सत्तें रातें च खेढेआ जाने आह्ला इक बड्डा नाटक ऐ ।

R डुग्गर च डोगरी च गै कोई राम नाटक खेढेआ जाऽ, इस्सै गल्ला गी सामनै रखदे होई एह् नाटक लिखेआ गेदा ऐ ।

(A) R कथन A कथन दी स्हेई व्याख्या करा दा ऐ ।

(B) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(C) R कथन स्हेई नेईं ऐ ।

(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

45. 'भूप सिंह दी पड़ी' –

(A) इक नाटक ऐ ।

(B) इक एकांकी ऐ ।

(C) ओम गोस्वामी

(D) ओम शर्मा

46. वैदर्भी रीति –

(अ) दा आधार माधुर्य गुण होंदा ऐ ।

(ब) मते काव्य-शास्त्रियें इसगी सर्वश्रेष्ठ मन्ने दा ऐ ।

(स) ओजपूर्ण होंदी ऐ ।

(द) माधुर्य ते सुकुमारता युक्त होंदी ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ) ते (ब) ठीक न ।

(C) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

47. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी-2**
(अ) मलार्मे	(i) 1842-1898
(ब) रिम्बोद	(ii) 1854-1891
(स) बरलैन पाल	(iii) 1844-1896
(द) जीन मोरियस	(iv) 1856-1910

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

48. आदर्शवाद, यथार्थवाद, अभिव्यंजनावाद ते प्रतीकवाद – इ 'नें वादें दे इस क्रम दे मताबक हेठ दित्ते विद्वानें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) मलार्मे (ii) क्रोचे

(iii) फ्लावेअर (iv) प्लैटो

कोड :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (iii) (iv) (i) (ii)

(C) (iv) (iii) (ii) (i)

(D) (iii) (i) (iv) (i)

49. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A क्रोचे ने आलोचना गी सौंदर्य-शास्त्र दा इक अंग मन्ने दा ऐ ।

R क्रोचे दा मन्नना ऐ जे आलोचना-शास्त्र बी आखरकार सौंदर्य-शास्त्र दा हामी ऐ ।

(A) R कथन गल्त ऐ ।

(B) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(C) R कथन A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दे कारण गी स्पश्ट नेईं करा करदा ।

50. यथार्थवादी साहित्य –

(A) निम्न ते मध्य वर्ग दी नुमायंदगी करदा ऐ ।

(B) रहस्यवादी ढंगा कन्नै गल्ल आखदा ऐ ।

(C) भविक्खा दी चिंता करदा ऐ ।

(D) शांत रसदी प्रतीति करांदा ऐ ।

51. आचार्य मम्मट ने –

(अ) ध्वन्यालोक दी रचना कीती ।

(ब) काव्यप्रकाश दी रचना कीती ।

(स) काव्य दे छे प्रयोजन दस्से ।

(द) काव्य गी अलंकार युक्त होना लाज़मी दस्सेआ ।

(A) (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) (अ) ते (द) ठीक न ।

52. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी-2**
(अ) खंडन-मंडन	(i) सन् 2010
(ब) अज्जै दा डोगरी साहित्य : इक समीक्षा	(ii) सन् 2000
(स) डोगरी साहित्य च युग-चेतना	(iii) सुरजीत होश
(द) डोगरी गद्य : इक परचोल	(iv) बंसी लाल

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(iv)	(ii)	(iv)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(i)

53. उमरी दे मताबक हेठ दित्ते दे डोगरी आलोचकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(i) नीलांबर देव शर्मा
(ii) शिवनाथ
(iii) लक्ष्मी नारायण
(iv) रामनाथ शास्त्री

कोड :

(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

54. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A प्रेज़र दा आखना ऐ जे बुझारतें दा जन्म अदूं होआ होग जदूं किश कारणें मूजब माह्नू गी सिद्धे-सादे शब्दें च कोई गल्ल समझाने च किश औख बझोई होग ।

R इसलेई बुझारतें च बक्ख-बक्ख संकेतें, शारें ते उपमानें राहें कोई खट्टी-पलेटी दी गल्ल आखी जंदी ऐ ।

(A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ए ।
(B) R कथन गल्त ऐ ।
(C) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दी स्हेई व्याख्या ऐ ।
(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

55. 'ऐंजली' ।

(A) संस्कार गीतें दा रूप ऐ ।
(B) श्रमगीतें दा रूप ऐ ।
(C) भगती गीतें दा रूप ऐ ।
(D) बुझारतें गी आखदे न ।

56. 'गुजरी' –

(अ) भगती गीतें दा इक रूप ऐ ।
(ब) च कृष्ण-लीला दा वर्णन होंदा ऐ ।
(स) दी शैली भाशन-शैली ऐ ।
(द) दी शैली सुआल-जवाब दी होंदी ऐ ।
(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ) ते (स) ठीक न ।
(D) (स) ते (द) ठीक न ।

57. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी-2**
(अ) कारक	(i) सोहाड़ी
(ब) बजीर जोरावर सिंह	(ii) बार
(स) मक्कें दिया गोडिया – से, आ, ओ	(iii) किंग
(द) फुम्मनी	(iv) कंढी

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

58. गुग्गा चौहान, जोगी, सुहाग ते मुहावरा – इं 'दे इस क्रमानुसार इं 'दे कन्नै सरबंधत हेठ दित्ते दे शब्दें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) लोक-गीत
(ii) लाक्षणिक पदबंध
(iii) राजा मंडलीक
(iv) किंग, ढोल

कोड :

(A)	(ii)	(iv)	(iv)	(iii)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(i)

59. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A डुग्गर प्रदेश च द्रुबड़ी, करेआ-चौथ, नरात्ते, बच्छ-दुआह् वगैरा केईं जनानके पर्व-ध्यार मनाए जंदे न ।

R इ 'नें मौकें उप्पर गीत ते गाए जंदे न पर डोगरी च इ 'नें मौकें आस्तै लोक-गीत नेईं हैन ।

(A) R कथन A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।
(B) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।
(C) R कथन स्हेई नेईं ऐ ।
(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

60. 'ढोलड़' ऐ –

(A) श्रम-गीत (B) भगती गीत

(C) रितु-गीत (D) बिहाई

61. साहित्य अकादेमी द्वारा पुरस्कृत डोगरी च अनूदित उपन्यास न –

(अ) उमराओ जान अदा

(ब) गोदान

(स) दो गज़ जमीन

(द) कलकत्ते दी क्हानी : वाया बाइपास

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (स) ते (द) ठीक न ।

(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

62. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी-2**
(अ) दो टुप्पे धान	(i) 1976
(ब) बत्तै दे दावेदार	(ii) 1972
(स) चाननी दे चोर	(iii) 1999
(द) चंद्र प्हाड़	(iv) 1970

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

63. प्रकाशन-क्रम मताबक पद्मा सचदेव हुंदे द्वारा अनूदित पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(i) श्री राधा

(ii) अक्खर गास

(iii) बरसगंढै दी धुप्प

(iv) कोई नेईं दूआ

कोड :

(A) (iii) (ii) (i) (iv)

(B) (iii) (ii) (iv) (i)

(C) (iv) (iii) (ii) (i)

(D) (iv) (ii) (iii) (i)

64. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A अनुवाद पुन:सृजन कशा पैह्लें इक अनुकृति ऐ ।

R अनुवादक दी स्थिति पोर्ट्रेट बनाने आह्ले चित्रकार आह्ला लेखा होंदी ऐ जेह्ड़ा चित्र बनांदे होई अपनी मर्जी कन्नै रंग भरी सकदा ऐ पर विशे दे नक्श-पत्तर नेईं बदली सकदा ।

(A) R कथन गल्त ऐ ।

(B) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(C) R कथन A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दे कारण गी स्पश्ट नेईं करा करदा ।

65. अनूदित रचना 'जंगलै दी इक रात' –

(A) क्हानी-संग्रैह् ऐ ।

(B) कविता-संग्रैह ऐ ।

(C) इक नाटक ऐ ।

(D) उपन्यास ऐ ।

66. 'सत्त संगर' –

(अ) दे डोगरी अनुवादक गोपीनाथ कौशिक न ।

(ब) दा अनुवाद सन् 1979 च प्रकाशत होआ ।

(स) दा अनुवाद सन् 1980 च प्रकाशत होआ ।

(द) दे अनुवादक मदन मगोत्रा न ।

(A) (अ) ते (ब) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ), (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(D) (अ) ते (द) ठीक न ।

67. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी-2**
(अ) किन्ने पाकिस्तान	(i) यश रैणा
(ब) पिछलग्ग	(ii) हंस राज पंदोत्रा
(स) देह्री दा दीआ	(iii) छत्र पाल
(द) गुसाईं दे बागै दा भूत	(iv) प्रकाश प्रेमी

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

68. क्हानी, नाटक, उपन्यास ते काव्य – साहित्यक विधाएं दे इस क्रमानुसार हेठ दित्ते दे डोगरी अनुवादें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) सलाम
(ii) सादा लफाफा
(iii) पतालबासी
(iv) नमें युगै दे बारस

कोड :

(A) (iv) (iii) (ii) (i)
(B) (ii) (iii) (i) (iv)
(C) (i) (ii) (iii) (iv)
(D) (iii) (i) (iv) (ii)

69. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A 'लैप-टॉप' अपने आकार मूजब डैस्कटॉप कोला मता सुविधाजनक होंदा ऐ ।

R 'लैप-टॉप' गी बरतने आस्तै मेज वगैरा कुसै चीजा दी लोड़ नेईं होंदी । गोदा च रक्खियै कुतै बेहियै बी इस्सी बरतेआ जाई सकदा ऐ ।

(A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।
(B) R कथन गल्त ऐ ।
(C) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।
(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

70. मार्कोनी ने बेतार दे तार दी खोज कीती ही –

(A) 1891 (B) 1893
(C) 1895 (D) 1896

71. इंटरनैट्ट –

(अ) जानकारी दा इक सशक्त स्रोत ऐ ।
(ब) ज्ञान दा इक सशक्त स्रोत ऐ ।
(स) दे राहें खतो-खताबत बी कीती जाई सकदी ऐ ।
(द) आम ते खास लोकें दा मनोरंजन करदा ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ) ते (स) ठीक न ।
(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

72. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी-2**
(अ) रेडियो ट्यूब	(i) सन् 1780
(ब) बंगाल गज़ट	(ii) कंप्यूटर
(स) हार्ड डिस्क	(iii) सन् 1904
(द) आवाज दा माध्यम	(iv) रेडियो

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

73. काल-क्रमानुसार हेठ दित्ते दे पत्र-पत्रिकाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(i) नि'म्मा मौह्रा (ii) हिम भारती
(iii) डुआठन (iv) लोऽ

कोड :

(A) (ii) (i) (iv) (iii)
(B) (i) (iii) (ii) (iv)
(C) (iv) (i) (ii) (iii)
(D) (iii) (i) (iv) (i)

74. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A 'लोग-गीत' जनसंचार दा परंपरागत माध्यम होने दे बावजूद अज्ज बी प्रासंगिकता रखदे न ।

R लोक-गीतें दियां जढ़ां अतीत कन्नै जुड़ी दियां न ते एह् अतीत ते वर्तमान गी मेलने च मददगार साबत होंदे न ।

(A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।
(B) R कथन स्हेई नेईं ऐ ।
(C) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।
(D) R कथन A कथन दी स्हेई व्याख्या करा दा ऐ ।

75. 'टैलीविज़न' –

(A) आवाज दा माध्यम ऐ ।
(B) द्रिश्श ते आवाज दा माध्यम ऐ ।
(C) छपाई दा माध्यम ऐ ।
(D) द्रिश्श दा माध्यम ऐ ।

Space For Rough Work